	Daly College, Jr. School Subject: Hindi Class: II-A

Date-: ------------------------ Name: --------------------------------

सामूहिक कविता पाठ

बनावटी सिंह

गधा एक था मोटा ताज़ा,
बन बैठा वह वन का राजा,
कहीं सिंह का चमड़ा पाया,
चट वैसा ही रूप बनाया,
वैसा ही रूप बनाया।

सबको ख़ूब डराता वन में,
फिरता आप निडर हो मन में,
एक रोज़ जो जी में आई,
लगा गरजने, धूम मचाई।

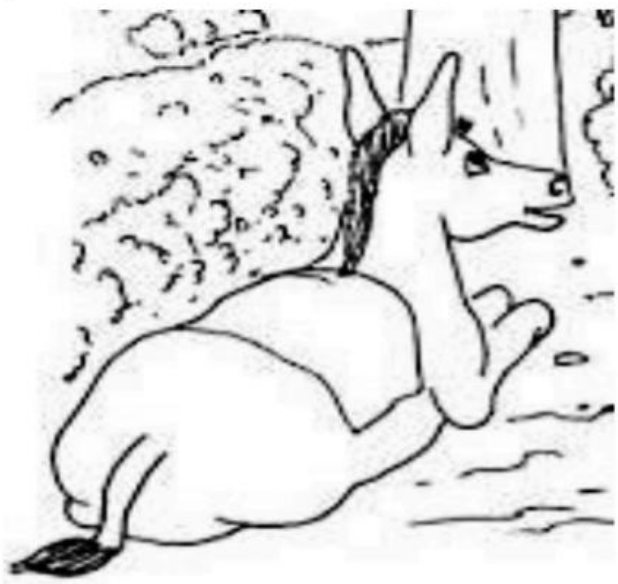

सबके आगे ज्यों ही बोला,
भेद गधेपन का सब खोला
भेद गधेपन का सब खोला।

फिर तो झट सबने आ पकड़ा,
ख़ूब मार छीना वह चमड़ा।

देता गधा न धोखा भाई,
तो उसकी होती न ठुकाई।

-सुखराम चौबे गुणाकर

	Daly College Junior School **Class:- 2B**

सामूहिक कविता पाठ

हमारे त्योहार

होली आई होली आई , रंग बिरंगी होली आई ।

गुझिया खाओ गुलाल लगाओ ,एक दूजे को गले लगाओ ।

दीपों का त्योहार दिवाली , ख़ुशियों का त्योहार दिवाली ।

घर घर में तुम दीप जलाओ ,लड्डू मिठाई खूब खाओ ।

गुरुपर्व की छटा निराली , गुरु की वाणी सबने मानी ।

गुरुद्वारों को खूब सजाओ ,नगर कीर्तन में झूमों गाओ ।

बीता रमज़ान आई ईद, ख़ुशियाँ लेकर आई ईद ।

हिलमिल सबको गले लगाओ ,मीठी सेवाइयाँ मिलकर खाओ ।

क्रिसमस का त्योहार है आया ,सेंटाक्लोज़ उपहार है लाया ।

मिलकर क्रिसमस ट्री सजाओ , मोमबत्ती जलाओ केक खाओ ।

	Daly College, Jr. School **Subject: Hindi** **Class: II-C**

Date-: ---------- **Name: ----------**

सामूहिक कविता पाठ

छुट्टी का दान

टीचर जी!
मत पकड़ो कान,
सरदी से हो रहा जुकाम
लिखने की नहीं मर्जी है,
सेवा में यह अर्जी है।
सेवा में यह अर्जी है।

ठंडक से ठिठुर रहे हैं हाथ,
नहीं दे रहे कुछ भी साथ।
आसमान में छाए बादल,
भरा हुआ उनमें शीतल जल
दया करो हो आप महान,
हमको दो छुट्टी का दान।
हमको दो छुट्टी का दान।

जल्दी है घर जाने की,
गर्म पकौड़ी खाने की।
गर्म पकौड़ी खाने की।
जब सूरज उग जाएगा,
समय सुहाना आएगा।
तब हम आएँगे स्कूल,
नहीं करेंगे कुछ भी भूल
नहीं करेंगे कुछ भी भूल
टीचर जी!

" पाब्लो नेरूडा "